

सं०-2242

/उन्तीस(2)/06-2(99पे0)/2005

प्रेषक,

कुँवर सिंह,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल पेयजल निगम,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 09 नवम्बर, 2006

विषय: वित्तीय वर्ष 2006-07 में राज्य सैक्टर की ग्रामीण पेयजल योजनान्तर्गत जनपद नैनीताल, जनपद पौड़ी जनपद उधमसिंह नगर एवं जनपद अल्मोड़ा की पम्पिंग पेयजल योजनाओं के ऑटोमेशन कार्यों हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 625/उन्तीस(2)/06-2 (99पे0)/2005, दिनांक 27.03.2006 द्वारा जनपद नैनीताल, जनपद पौड़ी, जनपद उधमसिंह नगर एवं जनपद अल्मोड़ा की पम्पिंग पेयजल योजनाओं के स्वचालितिकरण हेतु क्रमशः रु० 406.34 लाख, रु० 410.82 लाख, रु० 84.50 लाख एवं रु० 218.70 लाख अर्थात् कुल रु० 1120.36 लाख की लागत के आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही कुल रु० 250.00 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई है। तत्सम्बन्धी आपके पत्र संख्या 3880/धनावंटन प्रस्ताव/दिनांक 00.10.2006 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि इन पम्पिंग पेयजल योजनाओं के ऑटोमेशन कार्यों हेतु स्वीकृत कुल अनु०लागत रु० 1120.36 लाख की अवशेष धनराशि में से चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर के अंतर्गत निम्न विवरणानुसार रु० 284.50 लाख (रु० दो करोड़ चौरासी लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

क्र० सं०	योजना का नाम	स्वीकृत लागत	(धनराशि रु० लाख में)	
			पूर्व अवमुक्त धनराशि	वर्ष 2006-07 हेतु स्वीकृत धनराशि
1	जनपद नैनीताल के अन्तर्गत अनुरक्षणाधीन पम्पिंग पेयजल योजना के स्वचालितिकरण	406.34	75.00	100.00
2	जनपद पौड़ी गढ़वाल के अन्तर्गत अनुरक्षणाधीन पम्पिंग पेयजल योजना के स्वचालितिकरण	410.82	75.00	75.00
3	जनपद उधमसिंह नगर के अन्तर्गत अनुरक्षणाधीन पम्पिंग पेयजल योजना के स्वचालितिकरण हेतु	84.50	50.00	34.50
4	जनपद अल्मोड़ा के अन्तर्गत अनुरक्षणाधीन पम्पिंग पेयजल योजना के स्वचालितिकरण हेतु	218.70	50.00	75.00
	योग:-		250.00	284.50

2- स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, देहरादून को हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून को प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके, दो बराबर किश्तों में पूर्व अवमुक्त किश्त का उपयोग करने के बाद ही आवश्यकतानुसार आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या व दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून तथा शासन को तुरन्त उपलब्ध करा दी जायेगी।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2007 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय। अवमुक्त की जा रही धनराशि के पूर्ण उपयोग के पश्चात उपरोक्त विवरण उपलब्ध कराने के बाद ही अवशेष धनराशि आवंटित की जा सकेगी।

4- उक्त लागत में ही योजनायें पूर्ण कर ली जायेगी और इस लागत में कोई पुरीक्षण अनुमन्य नहीं होगा।

4- शासनादेश संख्या 625/उन्तीस(2)/06-2(99पे0)/2005, दिनांक 27.03.06 में उल्लिखित शेष शर्तें यथावत लागू रहेंगी।

5-उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान सं०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलापूर्ति- आयोजनागत - 102- ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम-03-ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर- 00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०- 1026/XXVII(2)/2006 दिनांक 08 नवम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(कुँवर सिंह)

अपर सचिव

पृ० सं० 224² /उन्तीस(2)/06-2(99पे0)/2005, तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
2. मण्डलायुक्त कुमाँयू /गढ़वाल मण्डल।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. मुख्य महाप्रबन्धक/महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान।
6. वित्त अनुभाग-2/वित्त(बजट सैल)/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल।
7. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री उत्तरांचल।
8. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
9. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 10. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव

8/11/06